No. of Printed Pages : 5

MES–004

POST GRADUATE DIPLOMA IN SCHOOL LEADERSHIP AND MANAGEMENT (PGDSLM)

Term-End Examination

June, 2024

MES-004: HEAD TEACHERS AS SCHOOL LEADERS

Time : 3 Hours *Weightage : 70%*

Note : All questions are compulsory. All question carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words :

   Socio-economic factors impact the school system and the future of schooling. Discuss.

   Or

   Discuss intra-personal and inter-personal conflictes with suitable examples.

P.T.O.

2. Answer the following question in about 600 words :

   Explain the significance of decision-making in a school system. Discuss the different types of decisions taken in an organization.

   Or

   Discuss education as an ethical practice.

3. Answer any four of the following questions in about 150 words words each :

   (a) Describe the indicators of high expectations for success of a school.

   (b) Explain personal mastery as a discipline of a learning organization.

   (c) What are the principles of delegation ?

   (d) Describe the different types of communication a head teacher engages in.

   (e) State reasons for meetings to be unproductive.

   (f) Discuss the idea of a school as an organization.

4. Answer the following questions in about 600 words :

   Explain the concept of self-awarness and the various aspects of your 'Self' : Illustrate the strategies you will use for managing your dysfunctionality.

MES-004

विद्यालय नेतृत्व तथा प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएसएलएम)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.ई.एस.-004 : विद्यालय नेता के रूप में मुख्य अध्यापक

समय : 3 घण्टे *Weightage : 70%*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

सामाजिक-आर्थिक कारक विद्यालय व्यवस्था और विद्यालयी शिक्षा के भविष्य पर प्रभाव डालते हैं। परिचर्चा कीजिए।

अथवा

अन्तरा-वैयक्तिक (इन्ट्रा-पर्सनल) और अन्तर-वैयक्तिक (इन्टर-पर्सनल) द्वन्द्व की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए।

P.T.O.

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

विद्यालय-व्यवस्था में निर्णयन (डिसीजन-मेकिंग) के महत्व की व्याख्या कीजिए। एक संगठन में लिये जाने वाले विभिन्न प्रकार के निर्णयों की परिचर्चा कीजिए।

अथवा

एक नीतिपरक अभ्यास के रूप में शिक्षा की परिचर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :

(क) विद्यालय की सफलता के लिए उच्च अपेक्षाओं (हाई-एक्सपेक्टेशन्स) के सूचकों का वर्णन कीजिए।

(ख) अधिगम संगठन की एक शाखा के रूप में निजी विशेषता की व्याख्या कीजिए।

(ग) प्रत्यायोजन (डेलीगेशन) के सिद्धान्त कौन से हैं ?

(घ) एक मुख्य-अध्यापक किन विभिन्न प्रकार के सम्प्रेषणों में लगा रहता है? वर्णन कीजिए।

(ङ) अनावश्यक बैठकों (अनप्रोडक्टिव मीटिंग्स) के होने के कारण बताइये।

(च) एक संगठन के रूप में विद्यालय के विचार की परिचर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

स्व-जागरूकता (सेल्फ-अवेयरनेस) की अवधारणा और अपने 'स्व' (सेल्फ) के विविध पहलुओं की व्याख्या कीजिए। अपनी शिथिलता। दुष्क्रियाशीलता (डिसफंक्शनलिटी) के प्रबन्धन के लिए आप किन रणनीतियों का प्रयोग करेंगे ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

***